7

# दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 गौ माता की रक्षा के लिए शुरु किया धर्मयुद्ध | 5 यूपी बनेगा हिमालयी और दक्षिण भारतीय चिकित्सा का संगम | 8 लक्ष्य सेन मुकाबले से हुए बाहर

UPHIN/2023/90814 | वर्षः 03, अंकः 45 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 04 मई, 2026


## डा अमरकांत सिंह का लखनऊ में इलाज के दौरान निधन

### शिक्षा जगत में शोक की लहर

**गोरखपुर,संवाददाता।** जिला सूचना अधिकारी की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक, निधन की सूचना आने पर जिले के शिक्षा विभाग के कर्मचारीगण स्तब्ध हैं। उनक निधन पर जिला विद्यालय निरीक्षक, परिसर में शनिवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। गोरखपुर के जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अमरकांत सिंह का शनिवार को लखनऊ में चिकित्सा के दौरान निधन हो गया। उनका उपचार एक निजी अस्पताल में चल रहा था। उनके निधन की सूचना मिलते ही जिले में शोक का माहौल बन गया। शिक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षकों में गहरा दुख देखा जा रहा है। जिला सूचना अधिकारी की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक, निधन की सूचना आने पर जिले के शिक्षा विभाग के कर्मचारीगण स्तब्ध हैं। उनक निधन पर जिला विद्यालय निरीक्षक, परिसर में शनिवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। सभी ने डा० अमरकान्त सिंह के निधन पर संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की।

# दिल्ली अग्निकांड –9 की मौत

## कोई बेड से उठ न सका, कोई सीढ़ियों पर झुलसा, कंकाल बने लोग, नौ लोगों के जिंदा जलने की कहानी

**नई दिल्ली,एजेंसी।** दिल्ली के शाहदरा के विवेक विहार इलाके में एक चार–मंजिला इमारत में आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई। घटना के चश्मदीद सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि आग की चपेट में आने से लोग कंकाल बन गए हैं। उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया है। डीएनए टेस्ट के बाद ही उनकी पहचान हो सकती है। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में एक चार मंजिला रिहायशी इमारत में रविवार तड़के भीषण आग लग गई, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

आग इतनी तेजी से फैली कि कई लोग अपनी जान बचाने के लिए बाहर नहीं निकल पाए और अपनी जान गंवा बैठे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग की शुरुआत इमारत की दूसरी मंजिल के पिछले हिस्से में स्थित एयर कंडीशनर (एसी) में विस्फोट के कारण हुई। यह घटना तड़के करीब 3रू30 बजे हुई, जब ज्यादातर लोग गहरी नींद में सो रहे थे। आग की लपटें तुरंत फैल गईं और तीसरी मंजिल तक पहुंच गईं। जब आग लगी, तो कई निवासियों ने बचने की कोशिश की। कुछ लोग अपनी जान बचाने के लिए छत की ओर भागे, लेकिन दुर्भाग्यवश, छत का दरवाजा बंद होने के कारण वे वहीं फंस गए और सीढ़ियों पर ही झुलसकर उनकी मौत हो गई। जिस मंजिल पर आग लगी थी, वहां मौजूद चार लोग भी इस अग्निकांड का शिकार हो गए। बचाव दल ने इमारत के आगे के हिस्से में रहने वाले लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की, लेकिन पीछे के हिस्से में फंसे लोगों को बचाना मुश्किल साबित हुआ। मृतकों के शव इस हद तक झुलस गए हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। अग्निशमन विभाग के अनुसार, तीन लोगों के शव बिस्तर पर मिले हैं, जो आग की भयावहता को दर्शाता है कि उन्हें बिस्तर से उठने का भी मौका नहीं मिला। पुलिस ने अब तक नौ लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। आग की लपटों ने इमारत की दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर बने फ्लैटों को अपनी चपेट में ले लिया था। आग बुझाने के अभियान के दौरान, लगभग 10 से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिनमें से दो को मामूली चोटें आईं। बचाव अभियान में फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां शामिल थीं, जिन्होंने आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत की।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ष्आग बुझाने के अभियान के दौरान इमारत से करीब 10 से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इनमें से दो लोगों को मामूली चोटें आई थीं, जिन्हें गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग पर काबू पाने के लिए कुल 12 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया, जबकि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (क्क्ड।), ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय पुलिस की टीमों ने बचाव और लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयासों में मदद की। पुलिस ने बताया कि कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है और आग लगने के कारणों का पता लगाने के प्रयास जारी है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, आग पर काबू पाने के बाद डीओ मुकेश वर्मा से सुबह करीब 8रू00 बजे ैज्व्च्ष् संदेश मिला। अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि आग इमारत के कम से कम छह फ्लैटों में रखे घरेलू सामान में लगी थी। बचाव अभियान के दौरान, अलग–अलग मंजिलों से नौ जली हुई लाशें बरामद की गईं, पहली मंजिल से एक, दूसरी मंजिल से पांच और बंद सीढ़ियों से तीन शव मिले। आशंका है कि ये लोग सीढ़ियों के रास्ते बाहर भागने के प्रयास में थे, लेकिन ताला न खुला होने के कारण निकल न पाए और जिंदा जल गए। इन लाशों को दिल्ली पुलिस टीम को सौंप दिया गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, आग दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल के फ्लैटों तक फैली थी, और लगभग 10–15 लोगों को बचाया गया, जिनमें से मामूली रूप से घायल दो लोगों को गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थानीय नगर पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि बचाव और तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

# सेना ने किया रेस्क्यू

## हेलीकाप्टर से 15 घंटे बाद टंकी पर फंसे दोनों किशोर को उतारा

**सिद्धार्थनगर,संवाददाता।** लगभग 15 घंटे बाद रविवार सुबह तकरीबन 5:15 बजे गोरखपुर एयरफोर्स की टीम ने हेलीकॉप्टर के जरिए रेस्क्यू करके दोनों किशोर को पानी की टंकी से नीचे उतारा,जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

बच्चों के फंसे रहने और लगातार प्रयास के बाद डीएम ने एयरफोर्स गोरखपुर से रेस्क्यू करने के लिए संपर्क किया था। इसी के बाद रविवार को टीम पहुंची और रेस्क्यू कर दोनों किशोर को नीचे उतारा। नगर के काशीराम आवास कॉलोनी के पास बने पानी की टंकी की सीढ़ी टूट कर गिरने से एक किशोर की मौत हो गई थी, जबकि दो लोग घायल हो गए थे।

वहीं, दो लोग टंकी पर फंस गए थे। प्रशासन ने काफी प्रयास किया, लेकिन फंसे किशोरों को नीचे नहीं उतारा जा सका।

लगभग 15 घंटे बाद रविवार सुबह तकरीबन 5:15 बजे गोरखपुर एयरफोर्स की टीम ने हेलीकॉप्टर के जरिए रेस्क्यू करके दोनों किशोर को पानी की टंकी से नीचे उतारा,जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

बच्चों के फंसे रहने और लगातार प्रयास के बाद डीएम ने एयरफोर्स गोरखपुर से रेस्क्यू करने के लिए संपर्क किया था। इसी के बाद रविवार को टीम पहुंची और रेस्क्यू कर दोनों किशोर को नीचे उतारा। काशीराम आवास के पास घर–घर सप्लाई के लिए पानी का टंकी बना हुआ है। शनिवार दोपहर में आवास के आसपास के पांच बच्चे टंकी पर चढ़ गए थे।

इसी बीच उतरते समय सीढ़ी भरभरा कर गिर गई। इस हादसे में एक बच्चे सिद्धार्थ (13 वर्ष) पुत्र धर्मेंद्र, निवासी झूलनीपुर थाना मोहाना की मौत हो गई।

जबकि, घायल गोलू (14 वर्ष) पुत्र चंद्रेश, निवासी शास्त्रीनगर थाना सदर और सनी (11 वर्ष) पुत्र बरसाती, निवासी काशीराम आवास को तत्काल इलाज के लिए माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चे टंकी पर चढ़ रहे थे तभी जर्जर सीढ़ी अचानक टूट गई और यह हादसा हो गया। इसी दौरान पवन (17 वर्ष) पुत्र मिथलेश और कल्लू (17 वर्ष) पुत्र जमीरउद्दीन टंकी के ऊपर ही फंस गए थे।

# सुप्रीम कोर्ट ने कहा– अब आदेश की जरूरत नहीं; पर्यवेक्षक भी बढ़े

[redacted] | नई दिल्ली/कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती पर तृणमूल कांग्रेस की आपत्ति में दखल से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा, किसी और आदेश की जरूरत नहीं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा व जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा, काउंटिंग स्टाफ की नियुक्ति का अधिकार आयोग का है। मतगणना सोमवार को है। कोर्ट ने यह रिकॉर्ड पर लिया कि आयोग मतगणना को लेकर अपना सर्कुलर 'लेटर एंड स्पिरिट' में लागू करेगा। तृणमूल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा, 'काउंटिंग में राज्य सरकार के कर्मचारियों की भागीदारी जरूरी है।' इधर, आयोग ने 165 अतिरिक्त मतगणना और 77 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किए हैं।

### तृणमूल की बैठक में ममता ने कहा– इस बार फिर 200+

मतगणना से दो दिन पहले सीएम ममता बनर्जी

और अभिषेक बनर्जी ने तृणमूल के काउंटिंग एजेंट्स के साथ बैठक की। ममता ने कहा, एग्जिट पोल 2021 और 2024 की तरह फिर गलत साबित होंगे और हम 200 से ज्यादा सीट जीतेंगे।

### भाजपाः आज प्रत्याशी मंदिर जाएंगे; महिलाएं धरना देंगी

भाजपा के सभी उम्मीदवार रविवार को अपने-अपने क्षेत्रों में पूजा-अर्चना करने मंदिर जाएंगे। जबकि महिला कार्यकर्ता प्रदेशभर में स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर 24 घंटे का सतर्कता प्रदर्शन करेंगी।

"ओम प्रकाश राजभर नाटक के जोकर से ज़्यादा और कुछ नहीं हैं।"

"मैंने मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर 'ट्रंप की खाड़ी' रखने पर विचार किया था"

"कश्मीर सिर्फ मुसलमानों का नहीं है, यह हिंदुओं, मुसलमानों और सिखों का भी है"

पश्चिम बंगाल के फालता सीट पर 21 मई को होगा पुनर्मतदान

गीतकार प्रसून जोशी को प्रसार भारती का चेयरमैन बनाया गया

यूपी में 22 मई से जनगणना का पहला चरण शुरू, पूरी प्रक्रिया होगी डिजिटल

घर के भीतर चार नाबालिग बच्चों की हत्या, ईंट से कूचकर निर्मम हत्या की वारदात

## सम्पादकीय

# जानलेवा लापरवाही, सुरक्षा के न्यूनतम उपाय भी नहीं

**बरगी बांध में क्रूज डूबने से नौ पर्यटकों की मौत।**
**खराब मौसम में संचालन, लाइफ जैकेट की अनदेखी मुख्य कारण।**
**मध्य प्रदेश सरकार से जवाबदेही और सुरक्षा सुधार की मांग।**

जबलपुर के बरगी बांध में क्रूज डूबने से नौ पर्यटकों की मौत को केवल हादसा कहना गलत है, क्योंकि यह जानलेवा लापरवाही का परिणाम था। जबलपुर में बरगी बांध में एक क्रूज के डूबने से नौ पर्यटकों की मौत को केवल हादसे की संज्ञा देना सच से मुंह मोड़ना होगा, क्योंकि यदि पर्याप्त सतर्कता बरती गई होती तो जनहानि से बचा जा सकता था। यह क्रूज इसलिए डूबा, क्योंकि तेज आंधी से वह असंतुलित हो गया, लेकिन किसी के लिए भी समझना कठिन है कि खराब मौसम की सूचना के बाद भी क्रूज का संचालन क्यों किया गया? इससे भी गंभीर प्रश्न यह है कि क्रूज की सुरक्षा के न्यूनतम उपाय भी क्यों नहीं किए गए?

क्रूज में लाइफ जैकेट थीं, लेकिन उन्हें पर्यटकों को पहनने के लिए निर्देशित ही नहीं किया गया। हादसे में किसी तरह बचे और बचाए गए लोगों की मानें तो लाइफ जैकेट तब दी गईं, जब क्रूज डूबने लगा। स्पष्ट है अफरातफरी के माहौल में लोगों को या तो उन्हें पहनने का अवसर नहीं मिला होगा या फिर वे उन्हें सही तरह पहन नहीं सके होंगे। क्रूज डूबने के बाद घटनास्थल पर पहुंचे बचाव दल को लाइफ जैकेट एक बंडल में बंधे मिले। आखिर यह जानलेवा लापरवाही नहीं तो और क्या है? चूंकि बरगी बांध में डूबा क्रूज मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड की ओर से संचालित किया जा रहा था, इसलिए संबंधित अधिकारियों को जवाबदेह बनाना होगा। केवल घटना पर शोक जताने या फिर मारे गए लोगों के परिवार वालों को मुआवजा देने की घोषणा मात्र से कर्तव्य की इतिश्री नहीं की जानी चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जबलपुर हादसे के लिए जिम्मेदार लोग बचने न पाएं। इसके साथ ही उसे सभी पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की सुरक्षा के पर्याप्त उपाय करने चाहिए। इसकी अनदेखी न की जाए कि अतीत में भी राज्य के अन्य पर्यटन स्थलों में हादसे हो चुके हैं और उनमें लोगों की जान गई है। कम से कम तीन हादसे तो पिछले साल ही हो चुके हैं।

पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की सुरक्षा के मामले में केवल मध्य प्रदेश सरकार को ही नहीं, अन्य राज्य सरकारों को भी चेतना चाहिए, क्योंकि ऐसे स्थलों में सुरक्षा की कमी के चलते रह–रहकर दुर्घटनाएं होती ही रहती हैं। कुछ ही दिनों पहले मथुरा में यमुना में स्टीमर के पलटने से 15 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इसी माह के प्रारंभ में हिमाचल के कुल्लू में पर्यटकों से भरी ट्रैवलर नाले में गिरने से चार लोगों की जान गई थी। खराब सड़कों और खतरनाक ढंग से ड्राइविंग के चलते तो प्रायः ही वाहन खाई में गिरते रहते हैं।

वास्तव में अपने देश में कहीं पर कभी भी हादसा होने की आशंका बनी ही रहती है। ऐसा आम तौर पर सुरक्षा उपायों की अनदेखी और सतर्कता के अभाव के चलते होता है। यह कहने में हर्ज नहीं कि भारत में हर स्तर पर सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरतने का शर्मनाक सिलसिला कायम है।

# बंगाल में भाजपा का अनुमान

एग्जिट पोल का पहला, महत्वपूर्ण, परिवर्तनकारी अनुमान यह है कि सात में से पांच पोल्स ने पश्चिम बंगाल में भाजपाई सत्ता का अनुमान लगाया है। विभिन्न एग्जिट पोल्स का सार–रूप पोल यह है कि भाजपा को 166 और ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को 121 सीटें मिल सकती हैं। बंगाल में 294 सदस्यों की विधानसभा है, लिहाजा सामान्य बहुमत का आंकड़ा 148 माना जाता है। इस बार बंगाल में बंपर मतदान हुआ है। दोनों चरणों में कुल मतदान 92.84 फीसदी हुआ है। अकेले दूसरे चरण में ही 92.48 फीसदी मतदान किया गया। यकीनन यह अभूतपूर्व और ऐतिहासिक मतदान है। कारण जो भी हो, लेकिन ऐसे मतदान के लिए मतदाता ही बधाई और जागृति के पात्र हैं। ऐसे मतदान का निष्कर्ष कुछ भी हो सकता है। उस निष्कर्ष के लिए 4 मई तक का इंतजार करना चाहिए। वैसे हम भारत में एग्जिट पोल को वैज्ञानिक नहीं मानते, क्योंकि बंगाल में मतदान शाम 6 बजे के बाद भी जारी था, लेकिन एग्जिट पोल के आंकड़े अपराह्न 3 बजे के आसपास ही टीवी चौनलों को भेज दिए गए। इस तरह मतदाताओं का रुझान कैसे आंका जा सकता है? पोल्स का साइज कितना बड़ा था, कितने मतदाताओं से बातचीत की गई, कितने समय बातचीत हुई, उनके ब्यौरे सार्वजनिक नहीं किए जाते, नतीजतन एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरते रहे हैं। भारतीय राजनीति के संदर्भ में अक्सर एग्जिट पोल अथवा सर्वेक्षण गलत साबित होते रहे हैं। मसलन–2004 में 'भारत उदय' के मुद्दे पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की एनडीए सरकार की बरकरारी के अनुमान लगभग सभी पोल्स में लगाए गए थे, लेकिन भाजपा 138 सीटों पर ही ठहर गई और 145 सीटों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी।

बाद में यूपीए के बैनर तले 'खिचड़ी सरकार' बनी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा–एनडीए को 415 सीटें जीतने की भविष्यवाणी की गई थी। भाजपा 240 सीटों पर और कुल एनडीए 293 सीटों पर ही ठहर गए। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा आदि राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और सहयोगी दलों की सरकारें बनने के अनुमान लगाए गए थे, लेकिन तीनों महत्वपूर्ण राज्यों में भाजपा सरकारें बनीं। ओडिशा में भी भाजपा सरकार बनी। महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी (अजित पवार) के साथ भाजपा के गठबंधन को नया नाम भी दिया गया–'महायुति।' एग्जिट पोल्स के गलत साबित होने के अनेक उदाहरण हैं, लेकिन हम फिर भी उन्हें न तो खारिज कर रहे हैं और न ही पूरी तरह स्वीकार करने की मनरूस्थिति में हैं। बेशक असम में भाजपा, तमिलनाडु में द्रमुक गठबंधन, पुडुचेरी संघशासित क्षेत्र में एनडीए और केरलम में कांग्रेस नेतृत्व के यूडीएफ के सत्ता में आने के आसार पर्याप्त थे, लिहाजा पोल्स के अनुमान भी उन्हीं लाइनों पर हैं। केरलम में बीते 10 साल से वामदलों के एलडीएफ की सरकार थी, लिहाजा अब जनादेश यूडीएफ के पक्ष में स्वाभाविक लग रहा था। हालांकि तमिलनाडु में 'एक्सिस माई इंडिया' ने सुपरस्टार विजय की नवजात पार्टी टीवीके को 98–120 सीटें दी हैं। यानी द्रमुक और अन्नाद्रमुक गठबंधन हार रहे हैं। यह बड़ा असामान्य अनुमान लगता है। तमिलनाडु में सामान्य बहुमत 118 सीट का है। यदि तमिल जनादेश यही रहा और बंगाल का जनमत भाजपाई रहा, तो ये चुनावी नतीजे किसी चमत्कार से कम नहीं होंगे। बंगाल में परिवर्तन की भावनाओं का चुनाव था, तो ममता बनर्जी की 15 साल की सत्ता के बावजूद स्वीकार्यता कम नहीं है। कमोबेश 75–80 फीसदी मुस्लिम वोट, महिलाओं और हिंदुओं का बराबर का समर्थन आज भी 'दीदी' के पक्ष में है। आश्चर्य होता है कि ममता किन क्षेत्रों में इतना हार गईं कि सत्ता के बाहर होती लग रही हैं। यदि बंगाल में ऐसा जनादेश सामने आता है, तो 'जनसंघ' के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मस्थली में 'कमल' खिलेगा और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की अधूरी ख्वाहिश पूरी होगी।

# कांग्रेस का प्रतिज्ञा पत्र

कांगड़ा की कार्यशाला में कांग्रेस कितनी निपुण तथा जिला अध्यक्ष कितने स्वतंत्र हो पाते हैं, यह आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में प्रदर्शित होगा। पंजाब, जम्मू–कश्मीर और हिमाचल के 62 जिलाध्यक्षों को गुरुमंत्र देकर राहुल गांधी ने जो आदर्शवाद खड़ा किया है, क्या उसे दिल से कबूल करने के लिए पार्टी के बड़े नेता तैयार हैं। संगठन से चुनाव के बूथ तक कांग्रेस की मुश्किलों का मुकाबला भाजपा जैसी पार्टी से है, जहां हर दिन का रणनीतिक उद्घोष तैयार रहता है तथा पन्ना प्रमुख की ताजपोशियों में चुनाव की रिहर्सल के बही खाते तैयार रहते हैं। दरअसल कार्यकर्ताओं के बजाय नेताओं के वजन से कांग्रेस पार्टी का वजूद जमीनी स्तर का अवलोकन नहीं कर पाता है। आश्चर्य तब होता है जब पार्टी के विजयी विधायक या मंत्रियों के अधिकार वीआईपी हो जाते हैं और राजनीतिक संगत में मंच घूरने लगते हैं। बेशक राहुल गांधी ने सफलता के अध्यायों पर प्रतिज्ञा पत्र तैयार किया, लेकिन पार्टी को चौबीस घंटे की मेहनत के योग्य बनाने के लिए अपने तौर तरीके बदलने होंगे। जाहिर है कांगड़ा के संकल्प पंजाब, जम्मू–कश्मीर और हिमाचल में देखे जाएंगे। हिमाचल में स्थानीय निकाय चुनाव में अगर कार्यकर्ता को सम्मान मिलता है, तो पार्टी उत्तीर्ण होगी वरना आने वाले समय में विधानसभा चुनाव की तैयारी में भी इसका असर रहेगा। इसी तरह पंजाब विधानसभा चुनाव के चक्रव्यूह में कांग्रेस को अपना कद दिखाने के लिए गांव से खेत–खलिहान तक जाना होगा। जहां तक हिमाचल का प्रश्न है, सरकार की आर्थिक दिक्कतों को प्रदेश के जनमानस तक पहुंचाने के प्रयास अभी कारगर सिद्ध नहीं हुए हैं, जबकि विपक्षी भाजपा हर मोर्चे पर सरकार को घेरने की भरपूर कोशिश करती हुई दिखाई देती है। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल की कांग्रेस सरकार ने आर्थिक हकीकत के कई दर्पण खड़े करते हुए कई बड़े फैसले लिए और जिनकी जरूरत आने वाली हर सरकार को रहेगी। हिमाचल के आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता के रास्ते पर सुक्खू सरकार ने कुछ अहम, कुछ व्यवस्थागत फैसले लिए, लेकिन पार्टी स्तर पर जनता के सामने इनकी पेशकश सक्रिय रूप से दर्ज नहीं हुई। कई खामियां पूर्व सरकार के रवैये से उभर कर सामने आईं, लेकिन कांग्रेस कोई एक बड़ा मजमून या मुद्दा खड़ा नहीं कर पाई। ऐसे में कांगड़ा से निकली रणनीति क्या अपनी सरकार की प्रचार तंत्र बनेगी। अंततरू देखना यह होगा कि राहुल गांधी के मंचीय संदेशों को कांग्रेस जमीनी स्तर पर कैसे अपनाती है। अगर राहुल गांधी निर्देश दे रहे हैं कि लोगों के बीच जाकर सत्तारूढ़ पार्टी समस्याओं का समाधान करे, तो सर्वप्रथम यह समझना पड़ेगा कि सरकार ने जिस शिद्दत और राजस्व विभाग की सक्रियता से हजारों इंतकाल जैसे मामले निपटाए हैं, उसकी भूमिका क्या है। सरकार के फैसलों की दरगाह अगर पार्टी कार्यकर्ता आम जनता के दिलों में बना पाती है, तो यहां से कांगड़ा की भावना का प्रसार होगा, वरना सारे आदर्श मंच पर ही ढह जाएंगे। बहरहाल स्थानीय निकाय चुनावों, खास तौर पर नगर निगम चुनावों में कांग्रेस को बतौर पार्टी चमत्कार करने की जरूरत है। धर्मशाला, पालमपुर, सोलन व मंडी में ये केवल निगम चुनाव नहीं, बल्कि कांग्रेस सरकार के प्रशासनिक मॉडल भी हैं। इस परिप्रेक्ष्य में पार्षदों के मार्फत पार्टी की नीतियां, दिशानिर्देश, जनता के बीच संपर्क, संवेदना तथा संभावना अगर परिलक्षित करनी है।

# जय मतदाता मेरे भाग्यविधाता

परिवार का भरण–पोषण, लालन–पालन, जीवनयापन तथा मेहनत–मजदूरी तो आपको स्वयं ही करनी पड़ेगी। एक बहुत महत्वपूर्ण बात यह है कि इस समय लड़ाई–झगड़ा, वाद–विवाद तथा किसी के लिए कठोर शब्दों का प्रयोग मत करें। चुनावों के चक्कर में अपने आपसी सम्बन्धों की आहुति मत दें। आखिरकार पांच वर्षों के उपरांत अब वह समय आ गया है जब नेताओं द्वारा मतदाता का महिमामंडन होगा। प्रत्येक नेता तथा राजनीतिक दल मतदाता को लुभाने का प्रयास करेगा। मतदाता को सपने दिखाए जाएंगे, संकल्प पत्रों के माध्यम से वायदे किए जाएंगे। दृष्टि पत्रों के द्वारा मतदाताओं की दृष्टि भी भ्रमित की जाएगी। चुनावी महामंथन में नेताओं को तो पसीना बहाना ही पड़ता है, लेकिन यह समय मतदाताओं के लिए भी कहां सुखद है? एक वोट का मालिक मतदाता किस–किस को खुश करेगा, किसी के साथ मतदाता को भी झूठ तो बोलना ही पड़ेगा। इस समय मतदाता भी कहां चौन से बैठ सकेगा? हर पल उम्मीदवारों तथा राजनीतिक दलों की नजर उस पर रहेगी। उम्मीदवारों तथा उनके समर्थकों तथा सुबह–शाम, दिन–रात हाजिरियां भरने वालों की आहट, सुगबुगाहट तथा चहलकदमी से मतदाता भी कहां चौन से जी सकता है? भारतीय लोकतंत्र में सभी नागरिकों को चुनाव लडऩे तथा मतदान करने का अधिकार प्रदान करता है। संविधानिक अधिकारों में मतदान का अधिकार ही लोकतंत्र को मजबूत करता है। मतदाताओं द्वारा वोट की चोट से आगामी पंचवर्षीय भविष्य की इबारत लिखी जाती है। हिमाचल प्रदेश में नगर निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं का पंचवर्षीय लोकतांत्रिक यज्ञ का ऐलान हो चुका है। प्रदेश मुख्य चुनाव आयुक्त की उद्घोषणा तथा अधिसूचना के साथ ही राजनीतिक दल चुनावी शंखनाद कर चुके हैं। काफी लंबे समय से इस अवसर की प्रतीक्षा कर रहे छोटे–बड़े नेता अपनी कमर कस चुके हैं। किसे उम्मीदवार बनाना है तथा किसे जिताना या हराना है, बिसात बिछ चुकी है। राजनीतिक दल नगर निकायों में प्रत्यक्ष रूप से तथा पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव प्रचार करते नजर आएंगे। अनेकों नेता अपने आप को जनता के सच्चे हितैषी के रूप में बेटा, बेटी तथा बहू के रूप में अपने आप को प्रस्तुत करेंगे। साम, दाम, दंड, भेद से पांच वर्षों से मन में बैठा हुआ पूरा हिसाब बराबर करेंगे। लोकतंत्र में चुनाव की ही आड़ में नेता तथा आम मतदाता नागरिक के रूप में अपने आप को प्रस्तुत करता है। सामाजिक पंचवर्षीय इस चुनावी यज्ञ के महामंथन में अमृत और विष दोनों उगले जाते हैं। उम्मीदवारों द्वारा सच–झूठ, प्रलोभन, वायदे, दांव–पेंच सब आजमाए जाते हैं। मतदाताओं द्वारा उम्मीदवारों का धन–बल, रसूख, सामाजिक व्यवहार तथा विकासात्मक कार्य सब परखा जाता है। प्रत्यक्ष तो नहीं परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से इन चुनावों में धर्म, जाति, लिंगभेद, परिवारवाद, समुदायवाद तथा क्षेत्रवाद का भी बोलबाला रहता है, हालांकि चुनाव आयोग इसकी अनुमति नहीं देता, परन्तु फिर भी लोकतंत्र में मतदाता का विचार सबसे सर्वोच्च तथा शीर्ष स्थान पर रहता है। अनेकों बार उम्मीदवारों तथा राजनीतिक दलों द्वारा व्यैक्तिक, सामाजिक, पारिवारिक सम्बन्धों की धज्जियां उड़ाई जाती हैं। वैसे आमजन के लिए यह अवसर आनंद तथा मनोरंजन का भी है। प्रत्येक आदमी के अंदर का नेता सक्रिय हो जाता है। चारों ओर चर्चा, वार्ताओं, भाषणों, वाद–विवादों का वातावरण रहता है। प्रदेश में शहरी निकायों में नगर निगमों, नगर परिषदों, नगर पंचायतों, जिला परिषदों, खंड स्तरीय समितियों तथा पंचायती राज चुनावों का बिगुल क्या बजा, नेताओं की बाढ़ सी आ गई है। प्रदेश चुनाव आयोग की रणभेरी से पूर्व आरक्षण रोस्टर में फेरबदल होने से नेता लोग अपना वजूद ढूंढते हुए दूसरे वार्डों में दखलअंदाजी करने लगे। कोई दावेदारी के लिए अपने पिता, पुत्र, पत्नी, भाई, बहन, बहू तथा समधी का हक जताने लगा। उम्मीदवार अपने आप को नेता नहीं बल्कि बेटा, बेटी तथा बहू के रूप में प्रस्तुत करने लगे जैसे दूसरे वार्ड या पंचायत में उनके बिना कोई शून्य हो जाएगा। कोई अपने लंबे राजनीतिक अनुभव की दुहाई देने लगे, जैसे उनके बिना भविष्य में इलाके में राजनीतिक नेतृत्व शून्य पैदा हो जाएगा। राजनीतिक महत्वाकांक्षा में किसी भी उम्मीदवार को अपने आगे सब छोटे लगते हैं। उसे गलतफहमी होती है कि उसके राजनीतिक अनुभव और ज्ञान के बिना अंधेरा फैल जाएगा और क्षेत्र का सारा विकास रुक जाएगा। लोकतंत्र के इस महापर्व में आप सभी मतदाता भी उम्मीदवारों तथा राजनीतिक दलों का स्वागत करें। उनसे नगर निकाय, जिला परिषद, खंड विकास समिति, पंचायत तथा अपने–अपने वार्ड में विकास तथा समस्याओं पर चर्चा करें। उम्मीदवारों के घोषणापत्र, संकल्प पत्र तथा दृष्टि पत्रों का विश्लेषण करें। उम्मीदवारों को टटोल कर उनकी मंशा को जानें, भविष्य की विकासात्मक योजनाओं को परखें। मतदाता भाईयो, यह समय आपके लिए भी चुनौतीपूर्ण है, इसे हल्के में मत लें। निरख–परख तथा समझ के बाद ही कोई फैसला लें। समझदार, समर्पित, ईमानदार, पढ़े–लिखे, ऊर्जावान तथा चरित्रवान व्यक्तियों को मतदान करें। सभी उम्मीदवार अपने ही तो हैं, लेकिन नेतृत्व क्षमता को देखते हुए अच्छे व्यक्तियों को चुनें ताकि आपके क्षेत्र, गांव–मोहल्ले तथा वार्ड का विकास हो।

# गोरखपुर पहुंचे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बोले–गौ माता की रक्षा के लिए शुरू किया धर्मयुद्ध

**गोरखपुर,संवाददाता।** श्रद्धालुओं ने जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का बाघागाड़ा फोरलेन के पास उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद वे सीधे घघसरा नगर पंचायत के वार्ड नं– 11 परशुराम नगर पनिका ईटार गए। उन्होंने अपने गोत्र के कुल देवता जौहरी बाबा टेकधर ब्रह्मस्थान का दर्शन किया और वहां शिव मंदिर में जल चढ़ाकर भोलेनाथ की पूजा अर्चना किया। ज्योतिषीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शनिवार दोपहर गोरखपुर पहुंचे। उन्होंने कहा कि गौ माता की रक्षा के लिए मैंने धर्मयुद्ध शुरू किया है। लोगों को जागरूक करना है। गोरखपुर से प्रदेश के सभी विधानसभाओं में यात्रा करुंगा। प्रतिदिन पांच विधानसभा में जाने का लक्ष्य है। इसके पहले श्रद्धालुओं ने बाघागाड़ा फोरलेन के पास उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद वे सीधे घघसरा नगर पंचायत के वार्ड नं– 11

परशुराम नगर पनिका ईटार गए। उन्होंने अपने गोत्र के कुल देवता जौहरी बाबा टेकधर ब्रह्मस्थान का दर्शन किया और वहां शिव मंदिर में जल चढ़ाकर भोलेनाथ की पूजा अर्चना किया।

इसके बाद अपने पैतृक गांव पनिका में जाकर लोगों को आशीर्वचन दिया। उन्होंने कहा कि गाय को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने, गौ हत्या बंद करने के लिए राष्ट्रीय अभियान चलाया जा रहा है जहां स्थानीय लोगों से मिलकर गांव के इतिहास के बारे में जानकारी ली और बाबा टेकधर ब्रह्मस्थान के बारे बताया।

उन्होंने बताया कि वह भी ईटार पांडेय गोत्र के ब्राह्मण है, हमारे पूर्वज कई पीढ़ी पहले इसी स्थान से जाकर प्रतापगढ़ जिले में बस गए थे। अपने कुल के जन्म स्थली पर आकर ब्रम्ह बाबा का दर्शन कर कृतार्थ हुआ।जिसके बाद वह सहारा स्टेट गोरखपुर में अपने शिष्य के यहां जाने के लिए रवाना हो गए।

ज्योतिषपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती रविवार को तारामंडल के सहारा एस्टेट स्थित भारत माता मंदिर से गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए गविष्टि यात्रा का शुभारंभ करेंगे और श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देंगे। साथ ही प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में जाकर लोगों को गौ माता को पशु की श्रेणी से हटाकर राष्ट्र माता का दर्ज दिलाने के लिए जागरूक करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन गौ सेवा दल की ओर से रविवार तीन मई को तारामंडल के सहारा एस्टेट स्थित भारत माता मंदिर पर होगा। यह यात्रा 81 दिनों तक चलेगी, जिसमें वह प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों का भ्रमण कर गौ माता को 'पशु' की श्रेणी से हटाकर राज्य माता और राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए लोगों को जागरूक करेंगे।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संगठन के मंडल संयोजक एडवोकेट मनीष पांडेय ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। उनका कहना था कि भारत माता मंदिर पर सबसे पहले 2500 साल पुरानी शंकराचार्य की चरण पादुका का पूजन किया जाएगा। इसके बाद जगतगुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की ओर से श्रद्धालुओं को आशीर्वचन दिया जाएगा।

इसके साथ ही श्रद्धालुओं को गौ माता की रक्षा करने के लिए व राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए जागरूक करेंगे। इसके साथ ही यह अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी जाकर लोगों को जागरूक करेंगे। मनीष पांडेय का कहना था कि इस दौरान जगद्गुरु के साथ 150 साधु व सन्यासी भी रहेंगे। आगामी 22 जुलाई को दोबारा जिले में आगमन होगा। इसके बाद 24 जुलाई को लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

## बिजली के तार की चपेट में आने से मजदूर की मौत

### डेढ़ घंटे तक शव पुल पर रखकर किया प्रदर्शन

**संत कबीर नगर,संवाददाता।** प्रजापतिपुर गांव निवासी मजदूर बम्मल (37) पुत्र कुमारे चौहान शनिवार को ट्राली से मोरंग उतारने के बाद मुखलिसपुर पुल के नीचे शौच के लिए गया था, जहां पुल के नीचे गिरे बिजली के तार के संपर्क में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

मुखलिसपुर में शनिवार की सुबह बिजली के तार की चपेट में आकर प्रजापतिपुर गांव निवासी एक मजदूर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

जानकारी होने पर पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों ने शव को मुखलिसपुर पुल पर रखकर दोनों ओर बांस–बल्ली की बैरिकडिंग कर सड़क जाम कर दिया।

सूचना पर एसडीएम रविकांत चौबे और तहसीलदार रामजी के साथ महुली और धनघटा की पुलिस भी पहुंच गई। करीब डेढ़ घंटे तक चली मान–मनव्वल के बाद ग्रामीणों ने जाम हटाया तब आवागमन शुरू हो सका।

प्रजापतिपुर गांव निवासी मजदूर बम्मल (37) पुत्र कुमारे चौहान शनिवार को ट्राली से मोरंग उतारने के बाद मुखलिसपुर पुल के नीचे शौच के लिए गया था, जहां पुल के नीचे गिरे बिजली के तार के संपर्क में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

जानकारी होने पर मृतक के परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचकर हंगामा करने लगे। इसी बीच ग्रामीणों की भीड़ ने पुल पर बांस और बल्ली के सहारे बैरिकेडिंग कर सड़क जाम कर दिया। परिजन और ग्रामीणों की भीड़ शव को मुखलिसपुर पुल पर रखकर व्यवस्था के खिलाफ नारेबाजी करने लगी।

पुल पर जाम से दोनो ओर गाड़ियों का तांता लग गया। सड़क पर आवागमन बाधित होने से अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर एसडीएम रविकांत चौबे और तहसीलदार के साथ महुली और धनघटा की पुलिस भी पहुंच गई। जाम हटाने के लिए स्थानीय प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। काफी मनुहार और न्याय दिलाने के आश्वासन पर करीब डेढ़ घंटे बाद ग्रामीणों ने सड़क से जाम हटाया तब जाकर प्रशासन ने राहत की सांस ली।

## मौत से जूझ रहा प्रेमी–दो बच्चों की मां ने जिंदा जलाया

### बाहर से कमरा बंद फरार हुई प्रेमिका- लिव इन में रहते थे

**बस्ती,संवाददाता।** रहुआ गांव के रहने वाले 26 वर्षीय रामचंद्र गुप्ता एक महिला के साथ अपने घर पर लिव इन रिलेशनशिप में रहते थे। महिला पहले से शादी शुदा थी और उसका पति से तलाक हो गया था। शुक्रवार की रात दोनों खाना खाने के बाद कमरे में सोने चले गए। करीब 11 बजे कमरे में धुआं निकलने लगा और अंदर से रामचंद गुप्ता के चिल्लाने की आवाज आई। इसके बाद कमरे से आग की लपटे निकलने लगी। कमरा बाहर से बंद था।

मुंडेरवा थाना क्षेत्र के बरहुआ गांव में शुक्रवार की देर रात एक प्रेमिका ने कमरे में सोए हुए प्रेमी को जिंदा जला दिया। उसके बाद कमरा बाहर से बंद कर फरार हो गई। प्रेमी ने कमरे के रोशनदान से कूद कर किसी तरह जान बचाई लेकिन तब तक वह बुरी तरह से झुलस चुका था।

आस– पास के लोग उसे कैली अस्पताल ले गए जहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है।

प्रेमी की मां की तहरीर पर पुलिस ने प्रेमिका पर प्राथमिकी भी दर्ज कर ली है। प्रेमी मेडिकल कॉलेज में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है।

जानकारी के अनुसार बरहुआ गांव के रहने वाले 26 वर्षीय रामचंद्र गुप्ता एक महिला के साथ अपने घर पर लिव इन रिलेशनशिप में रहते थे। महिला पहले से शादी शुदा थी और उसका पति से तलाक हो गया था। शुक्रवार की रात दोनों खाना खाने के बाद कमरे में सोने चले गए। करीब 11 बजे कमरे में धुआं निकलने लगा और अंदर से रामचंद गुप्ता के चिल्लाने की आवाज आई।

इसके बाद कमरे से आग की लपटे निकलने लगी। कमरा बाहर से बंद था। रामचंद गुप्ता ने कमरे में बने रोशन दान के सहारे किसी तरह बाहर कूदे लेकिन, वह पूरी तरह से झुलस गए थे। शोर सुनकर आसपास के लोग भी एकत्र हो गए। इसके बाद परिजनों के साथ उन्हें लेकर कैली अस्पताल आए जहां पर चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया।

इसके बाद गांव के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी घटना के बाद प्रेमिका मौके से फरार हो गई। रामचंद्र गुप्ता की मां सरस्वती देवी ने बताया कि बेटे के साथ एक महिला ढाई माह से रह रही थी। उसी ने बेटे को कमरे में बंद कर जला दिया है। पुलिस ने मां की तहरीर पर महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

प्रभारी निरीक्षक मुंडेरवा प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि बरहुआ गांव में एक महिला ने प्रेमी को कमरे में बंद कर जला दिया था। जिसकी सूचना पर पुलिस मौके पर गई थी। पीड़ित युवक की मां की तहरीर पर प्रेमिका के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच चल रही है।

## बारिश के पानी के विवाद में मारा चाकू, युवती की मौत- पहले कहासुनी हुई

**गोरखपुर,संवाददाता।** विवाद के दौरान दोनों तरफ से ईंट–पत्थर चले। आरोप है कि सूबेदार पक्ष की ओर से चाकू से हमला किया गया, जिसमें शिवधन प्रसाद की 21 वर्षीय बेटी श्रुति गंभीर रूप से घायल हो गई। बीच–बचाव करने आया एक अन्य युवक भी घायल हुआ। परिजन घायल श्रुति को तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी सूबेदार मौके से भाग निकला। थाना क्षेत्र के भस्मा गांव में बारिश के

पानी को लेकर दो पड़ोसियों के बीच हुआ विवाद शुक्रवार की शाम अचानक हिंसक झड़प में बदल गया।

ईंट–पत्थर चलने के बाद चाकूबाजी में घायल 21 वर्षीय युवती ने जिला अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने एक आरोपी की पत्नी को हिरासत में ले लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार, भस्मा गांव में रहने वाले शिवधन प्रसाद के घर का पानी पड़ोसी सूबेदार के मकान की दीवार पर गिर रहा था। दीवार में पहले से दरार होने के कारण सूबेदार ने इसका विरोध किया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जो कुछ ही देर में मारपीट में बदल गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद के दौरान दोनों तरफ से ईंट–पत्थर चले। आरोप है कि सूबेदार पक्ष की ओर से चाकू से हमला किया गया, जिसमें शिवधन प्रसाद की 21 वर्षीय बेटी श्रुति गंभीर रूप से घायल हो गई। बीच–बचाव करने आया एक अन्य युवक भी घायल हुआ। परिजन घायल श्रुति को तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद आरोपी सूबेदार मौके से भाग निकला। पुलिस के अनुसार, शिवधन प्रसाद इस समय मुंबई में हैं, जबकि घर पर उनके बेटे आकाश, विशाल और पत्नी रीता देवी मौजूद थीं।

बेलीपार थाना प्रभारी विशाल सिंह ने बताया कि मामले में अभी तहरीर नहीं मिली है, लेकिन प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## सुलतानपुर में फंदे से लटका मिला पांच दिन से लापता युवक का शव

**सुलतानपुर के अखंडनगर में पांच दिन से लापता एक युवक का शव शनिवार सुबह पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है, पोस्टमार्टम ...**

**संवाद सूत्र, अखंडनगर (सुलतानपुर)।** पांच दिन से लापता युवक का शव रतनपुर गांव स्थित मैनी बाग में एक युवक शव शनिवार की सुबह पेड़ से फंदे से लटकता मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को फंदे से उतार लोगों से पूछताछ की। ताजुद्दीनपुर के शेर बहादुर गौतम पुत्र जियालाल गौतम घर से पांच दिन से लापता थे। सुबह करीब 6.30 बजे नित्यक्रिया के लिए निकले ग्रामीणों ने पेड़ से लटका शव देखा। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहुलनगर चौकी इंचार्ज कन्हैया पांडेय, थाना प्रभारी धीरेंद्र कुमार वर्मा पुलिस टीम मौके पर पहुंचे और शव को नीचे उतरवाया। मृतक के जेब में मोबाइल फोन व पेड़ के नीचे चप्पल मिली ।

परिवारजन ने मौके प पहुंच शव की शिनाख्त की और बताया कि वह पांच दिन पूर्व घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। उसकी काफी खोजबीन की गई, लेकिन पता नहीं चला। मृतक मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। अचानक हुई इस घटना से पत्नी अर्चना गौतम व भाई आकाश समेत परिवारजन का रो–रोकर हाल बेहाल है। उसका वर्ष का एक बेटा है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

# यूपी में दूल्हे का कत्ल

## बरात लेकर पांच किमी दूर ही पहुंचा, गाड़ी रोक गोलियों से भूना, इंतजार करती रही दुल्हन

**जौनपुर,संवाददाता।** यूपी के जौनपुर में दूल्हे की हत्या का मामला सामने आया है। दूल्हा बरात लेकर घर से पांच किमी दूर पहुंचा था। इसी दौरान बाइक सवार बदमाशों ने कार को ओवरटेक करते हुए रोक लिया और गोलियां बरसा दीं। जौनपुर के खेतासराय थाना इलाके के बादशाही बाजार में शुक्रवार की रात करीब नौ बजे बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने शादी के लिए जा रहे दूल्हे आजाद बिंद (25) की गाड़ी को ओवरटेक कर गोली मार कर हत्या कर दी और वारदात को अंजाम देने के बाद जौनपुर की तरफ भाग निकले। घर से पांच किमी दूर दूल्हे की हत्या के बाद हड़कंप मच गया। मौके पर देर रात तक सर्किल के सभी थानों की फोर्स तैनात रही। घटना के कारण को लेकर तरह तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

सरायख्वाजा थाना इलाके के बडौर गांव निवासी आजाद बिंद (25) पुत्र रामलखन बिंद की बरात दस किमी दूर खेतासराय थाना क्षेत्र के बीबीपुर जम जमदहां गोरखनाथ बिंद के घर जा रही थी। बरात करीब पांच किमी दूर आगे बादशाही बाजार पहुंची थी।

आरोप है कि पहले से घात लगाए अपाची बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने ओवरटेक कर दूल्हे पर तमंचे से तीन राउंड फायरिंग की, जो दूल्हे को लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बराती जब तक कुछ समझ पाते हमलावर जौनपुर की तरफ भाग निकले।

वहीं, गोली लगने से दूल्हा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे आनन–फानन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी ले जाया गया। हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच–पड़ताल शुरू कर दी है। क्षेत्र में इस घटना के बाद दहशत का माहौल है। एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि शव को संरक्षण में लेकर जांच की जा रही है।

**बरात का इंतजार कर रहे थे दुल्हन पक्ष के लोग, मिली हत्या की खबर**

दूल्हे आजाद की हत्या की खबर से दुल्हन पक्ष के लोग रात करीब साढ़े नौ बजे तक अनजान रहे। वे बरात के स्वागत की तैयारी में जुटे थे। जैसे ही वारदात की जानकारी मिली, वहां हड़कंप मच गया। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह तरह की चर्चाएं हैं, जिन्हें ध्यान में रखते हुए पुलिस टीमें जांच में लगी हुई हैं।

**अपराधी किस्म के लोगों की संगत में रहता था आजाद**

पुलिस के मुताबिक, यह भी चर्चा है कि आजाद की संगत कुछ आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से थी, जिनसे मनमुटाव के बाद वे उसे पसंद नहीं करते थे और उसे धमकी भी दी गई थी। कुछ लोगों ने उसकी शादी को लेकर भी आपत्ति जताई थी।

लोग इस घटना को आशनाई के मामले से जोड़कर देख रहे हैं। बताया जा रहा है कि आजाद को खतरे की आशंका पहले से थी, जिसके चलते वह अपनी पसंद की गाड़ी में सवार होकर निकला था।

इसी दौरान पहले से घात लगाए बाइक सवार दो युवकों (उम्र 22–25 वर्ष) ने पेशेवर अंदाज में उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली उसके चेहरे, पेट और नीचे के हिस्से में लगी। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आजाद के भाई आकाश ने बताया कि हमलावर गाड़ी को ओवरटेक करके दूल्हे की कार को रोक दिए थे। इधर, रात करीब साढ़े नौ बजे तक दुल्हन पक्ष के लोग घटना से अनजान थे और स्वागत की तैयारी कर रहे थे। जैसे ही दूल्हे की हत्या की खबर पहुंची, वहां अफरा–तफरी मच गई। दुल्हन सहित परिवार के सदस्यों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। वहीं, दूल्हे के घर भी मातम छा गया। एएसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

## ड्राइविंग लाइसेंस में जन्मतिथि का अब आनलाइन हो सकेगा संशोधन

**संवाददाता, आजमगढ़।** अब ड्राइविंग लाइसेंस धारकों को गलत दर्ज जन्मतिथि को सुधरवाने के लिए आरटीओ कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। शासन ने ड्राइविंग लाइसेंस में जन्मतिथि संशोधन की प्रक्रिया को ऑनलाइन मंजूरी दे दी है। ऐसे में उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। जिन्हें पासपोर्ट, बैंकिंग या अन्य आधिकारिक कार्यों में ड्राइविंग लाइसेंस में जन्मतिथि अलग होने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। जन्मतिथि संसोधन कराने के लिए आधार और मार्कशीट के साथ पोर्टल पर आवेदन करना होगा।

जनपद में करीब आठ लाख 68 हजार 792 डीएल धारक है, जिसमें बाइक सवार 770907, कार 55943 और 41942 वाहन चालक हैं। इनमें कुछ डीएल धारक ऐसे है जिनके डीएल में जन्मतिथि गलत दर्ज है। अब तक आरटीओ कार्यालय में जन्मतिथि को सही कराने की व्यवस्था नहीं होने से डीएल धारकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

शासन स्तर से डीएल में संशोधन के लिए अनुमति मिल गई है, जिसके लिए उपभोक्ता को नई व्यवस्था के तहत सारथी पोर्टल के माध्यम से इसे आसान बना दिया गया है। आवेदन के बाद आवेदक को केवल बायोमेट्रिक और मूल दस्तावेजों के सत्यापन के लिए एक बार कार्यालय जाना होगा।

**संशोधन के लिए जरुरी दस्तावेज**

जन्मतिथि में सुधार के लिए आवेदक को मान्यता प्राप्त संस्थान का प्रमाण पत्र (जैसे 10 वीं की मार्कशीट), नगर पालिका/नगर निगम द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी किया गया आयु प्रमाण पत्र।

**देना होगा शुल्क**

परिवहन विभाग द्वारा जन्मतिथि में संशोधन के लिए 200 रुपये का शुल्क तय किया गया है। यदि आवेदक संशोधित विवरण के साथ नया स्मार्ट कार्ड प्राप्त करना चाहता है, तो उसे 400 रुपये का भुगतान करना पड़ सकता है।

## आस्ट्रेलिया में लखनऊ की बास्केट चाट का जलवा

**पीएम मोदी भी कर चुके लखनवी चाट के राजा की प्रशंसा**

**, संवाददाता, लखनऊ।** लखनवी खानपान की दुनिया दीवानी है। यह शहर न केवल खाने की विरासत को संजोए हुए है, बल्कि अपने भोजन में समाज के हर वर्ग के लोगों का स्वाद भी समाहित किए हुए है। इनमें से एक लखनवी बास्केट चाट का जायका अलग ही है। हजरतगंज, चौक, चटोरी गली और अन्य स्थानों पर दिनभर चाट खाने वाले आते रहते हैं।

बास्केट चाट है ही ऐसी कि एक बार खाइए, बार–बार खाने को जी चाहेगा। हाल ही में लखनऊ की बास्केट चाट ऑस्ट्रेलिया में खूब पसंद की गई है। इस स्ट्रीट फूड बास्केट चाट ने मास्टरशेफ ऑस्ट्रेलिया–2026 की शीर्ष 10 प्रविष्टियों में जगह बनाई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी लखनऊ के चाट की प्रशंसा 2023 में ऑस्ट्रेलिया में ही कर चुके हैं। पिछले वर्ष नवंबर में यूनेस्को द्वारा क्रिएटिव सिटी आफ गैस्ट्रोनामी से सम्मानित लखनऊ के व्यंजनों की पहचान दुनियाभर में है।

भारतीय मूल की प्रतिभागी कनिका गद्योक ने 19 अप्रैल से शुरू मास्टरशेफ ऑस्ट्रेलिया–2026 में कटोरीचाट (बास्केट चाट) को प्रस्तुत किया। इस व्यंजन ने बटरफ्लाई ट्राउट, आक्स–टेल रैवियोली और बटेर सहित कई व्यंजनों को पीछे छोड़ दिया। कुरकुरे पैटी, चटपटी चटनी के स्वादों से भरपूर यह व्यंजन आलू के टुकड़ों और आटे से बनी खाने वाली टोकरी में परोसा जाता है, जिसमें स्वादिष्ट सामग्री भल्ले, पापड़ी, उबली मटर, दही, मसाले, सेव, अनार दाना आदि का मिश्रण भरा होता है। इसे लखनवी चाट का राजा कहा जाता है।

**तीन दशक पहले हुआ बास्केट चाट का जन्म**

इस मशहूर चाट की कहानी किसी सोची–समझी रेसिपी का परिणाम नहीं, बल्कि एक दिलचस्प संयोग है। करीब तीन दशक पहले लखनऊ के शेफ हरदयाल मौर्य आलू के लच्छों से कुछ नया बनाने की कोशिश कर रहे थे। गरम कड़ाही पर आलू के लच्छे चिपक गए और जब उसे तेल में डाला तो वो एक टोकरी के आकार में आ गए। यहीं से जन्म हुआ लखनऊ की बास्केट चाट का। शहर में कोई भी विशिष्ट व्यक्ति आता है तो यहां की चाट का लुत्फ अवश्य लेता है।

# प्रेमिका ने मारी थी प्रेमी को पहली गोली

**बागपत,संवाददाता।** बागपत के डूडा के शहर मिशन प्रबंधक विक्रांत और उसकी प्रेमिका राखी कश्यप की हत्या में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस ने विक्रांत और राखी की हत्या के आरोप में भाजपा नेता सुधारस को गिरफ्तार किया है। आरोपी बड़ौत में अपने घर में छिपा था। पुलिस ने कार्यालय से राखी की हत्या में प्रयुक्त खून से सना दाव बरामद किया है।

बागपत के डूडा के शहर मिशन प्रबंधक विक्रांत और उसकी प्रेमिका राखी कश्यप की हत्या में वांछित भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व नगर अध्यक्ष सुधारस चौहान को बागपत पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। वह चौहान इन्क्लेव स्थित अपने घर में छिपा था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने बड़ौत रोड स्थित उसके कार्यालय से राखी की हत्या में प्रयुक्त खून से सना दाव बरामद कर सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर जब्त कर ली है। इस दोहरे हत्याकांड में शामिल सुधारस का साथी कपिल चौहान पहले ही पकड़ा जा चुका है। पुलिस ने दोहरे हत्याकांड का खुलासा कर दिया।

पुलिस के मुताबिक, प्रयागराज के गोविंदपुर निवासी विक्रांत और अर्जुनपुरम की राखी कश्यप में प्रेम प्रसंग था। दोनों शादी करने वाले थे। शादी की खुशी में 15 अप्रैल की रात को राखी के घर पर हुई पार्टी में विक्रांत के साथ भाजपा नेता सुधारस चौहान और कपिल चौहान भी शामिल थे।

वहां किसी बात को लेकर विवाद होने पर राखी ने विक्रांत की जांघ में अपनी लाइसेंसी पिस्टल से गोली मार दी। वहां से वह विक्रांत को सहारनपुर के बड़गांव ले गए और मुंह पर पत्थर से वार कर शव को नहर में फेंक दिया।

पुलिस का कहना है कि विक्रांत की गुमशुदगी दर्ज करने के बाद राखी से पूछताछ की जाने लगी तो सुधारस को फंसने का डर सताने लगा। सुधारस 25 अप्रैल की रात में अपने साथी कपिल चौहान के साथ मिलकर राखी को सहारनपुर के रजापुर नौगांव के फार्म हाउस पर ले गया। वहां चाकू से गला रेतने के बाद दाव से वार कर उसकी हत्या कर दी। इसका खुलासा कपिल ने बृहस्पतिवार को पकड़े जाने पर किया। इसके बाद से बागपत और सहारनपुर पुलिस सुधारस की तलाश में जुट गई। शुक्रवार दोपहर सुधाकर के बड़ौत स्थित चौहान इन्क्लेव में होने की सूचना पर बागपत पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सहारनपुर पुलिस सुधारस को अपने साथ ले गई।

**20 से ज्यादा करीबियों से पूछताछ**

पुलिस ने भाजपा नेता की कॉल डिटेल खंगाली तो उसमें कई ऐसे लोगों के नंबर सामने आए, जिसने दो दिन पहले कई बार बातचीत हुई। पुलिस ने शहर के दुकानदार, कई प्रॉपर्टी डीलरों, कार्यालय पर काम करने वाले युवक समेत 20 से अधिक लोगों से पूछताछ की।

**दो जिलों की पुलिस ढूंढती रही, घर में मिला सुधारस**

डूडा कर्मी विक्रांत और राखी कश्यप की हत्या में वांछित भाजपा नेता सुधारस चौहान की तलाश में बागपत और सहारनपुर पुलिस की कई टीमें लगी हुई थीं। इसके बाद भी भाजपा नेता शुक्रवार दोपहर खुद ही अपने घर पहुंच गया, जहां से पुलिस उसे गिरफ्तार कर जेल गई। दोहरे हत्याकांड में सहारनपुर के मिर्जापुर थाने और स्वाट समेत पुलिस की कई टीमों ने बृहस्पतिवार सुबह पांच बजे बागपत में डेरा डाल लिया था।

## गोरखपुर में सर्राफा व्यापारी की बेटी अमृता ने लुटेरों से भिड़कर दिखाई हिम्मत

**संवाददाता, गोरखपुर।** दुकान से गहने लेकर भाग रहे बदमाशों से सराफ की बेटी अमृता वर्मा भिड़ गई थी। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद हर कोई उसकी बहादुरी की तारीफ करने के साथ ही जल्द से जल्द घटना का पर्दाफाश करने की मांग कर रहे थे। 48 घंटे में बदमाशों के पकड़े जाने पर गोला कस्बे के व्यापारियों व पीड़ित परिवार ने पुलिस का आभार जताया। चकमा देकर सोने का झाला लेकर भाग रहे रेहान व मेंहदी हसन से दुकान पर बैठी अमृता वर्मा अकेले ही भिड़ गई थी। बदमाशों ने उसे धक्का देकर गिरा दिया, जिससे उनके बाएं हाथ की बीच वाली अंगुली फ्रैक्चर हो गई। लेकिन अमृता ने हार नहीं मानी। वह बीकाम द्वितीय वर्ष की परीक्षा देने कालेज पहुंची। बुधवार को उसकी बड़ी बहन सलोनी की सगाई की तैयारियां चल रही थी इसी बीच बदमाशों के पकड़े जाने की खबर परिवार को पुलिस ने दी।

# यूपी बनेगा हिमालयी और दक्षिण भारतीय चिकित्सा का संगम

## 2500 साल पुरानी सोवा रिग्पा और सिद्ध पद्धति से होगा असाध्य रोगों का इलाज

**गोरखपुर,संवाददाता।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब पारंपरिक और प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने जा रहा है। आयुष प्रणालियों को नई ऊंचाई देने के लिए योगी सरकार ने प्रदेश के आयुष कॉलेजों में 2500 वर्ष पुरानी तिब्बती चिकित्सा प्रणाली 'सोवा रिग्पा' (अमची चिकित्सा) और दक्षिण भारत की प्रसिद्ध श्सिद्धश पद्धति की पढ़ाई शुरू करने की ऐतिहासिक तैयारी की है। इस कदम का उद्देश्य न केवल सदियों पुरानी चिकित्सा विधाओं को पुनर्जीवित करना है, बल्कि जटिल और दीर्घकालिक बीमारियों के लिए मरीजों को किफायती और प्रभावी वैकल्पिक उपचार प्रदान करना भी है।

**योगी सरकार की हरी झंडी:डिग्री के साथ मिलेगा रजिस्ट्रेशन का अधिकार**

प्रमुख सचिव आयुष, रंजन कुमार के अनुसार, योगी सरकार ने इन दोनों पद्धतियों के डिग्री कोर्स शुरू करने के लिए प्रक्रिया तेज कर दी है। अब चयनित आयुष कॉलेजों में जरूरी बुनियादी ढांचे और पाठ्यक्रम का विकास किया जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन कोर्सों को पूरा करने वाले चिकित्सकों का विधिवत पंजीकरण किया जाएगा। इससे डिग्री धारक डॉक्टर अधिकृत रूप से अपने क्लीनिक और उपचार केंद्र खोल सकेंगे, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा बढ़ेगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

**वाराणसी बनेगा रिसर्च और ट्रेनिंग का ग्लोबल हब**

सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य केंद्र भगवान शिव की नगरी वाराणसी होगी। वाराणसी को सोवा रिग्पा के प्रमुख शोध, प्रशिक्षण और उपचार केंद्र (श्नइ) के रूप में विकसित किया जाएगा। चूंकि काशी पहले से ही आयुर्वेद और आध्यात्मिक चिकित्सा की जननी रही है, इसलिए यहाँ सोवा रिग्पा और सिद्ध पद्धति का एकीकरण जटिल रोगों पर वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा देगा। यह केंद्र विशेष रूप से उन बीमारियों के उपचार पर केंद्रित होगा जहां आधुनिक चिकित्सा के साथ पूरक उपचार की आवश्यकता होती है।

**असाध्य रोगों का रामबाण इलाजः क्या है सोवा रिग्पा और सिद्ध पद्धति?**

तिब्बत से निकली सोवा रिग्पा पद्धति हिमालयी क्षेत्रों में अपनी प्रभावशीलता के लिए प्रसिद्ध है, जो शरीर, मन और पर्यावरण के संतुलन पर काम करती है। यह गठिया, पाचन विकार, मानसिक तनाव और कैंसर जैसे रोगों के उपचार में सहायक मानी जाती है। वहीं, दक्षिण भारत की सिद्ध पद्धति वात, पित्त और कफ के दोषों को संतुलित कर जीवनशैली और प्राकृतिक औषधियों के जरिए स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है। योगी सरकार का लक्ष्य आयुर्वेद, योग, यूनानी और होम्योपैथी के साथ इन पद्धतियों को मुख्यधारा में लाकर उत्तर प्रदेश को स्वास्थ्य सेवाओं का वन स्टॉप डेस्टिनेशन बनाना है।

# गोरखपुर में डाक्टरों ने किया कमाल सरिया घुसने के बाद बच्चे को दी नई जिंदगी

**संवाददाता, गोरखपुर।** जिला अस्पताल के चिकित्सकों के तत्काल निर्णय व कुशल सर्जरी ने 14 वर्षीय बच्चे की जान बचा ली है। बच्चा इलाहीबाग स्थित अपने घर की छत पर पतंग उड़ा रहा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह छत पर निकले लोहे के सरिया पर जा गिरा। सरिया उसके गर्दन से घुसते हुए फेफड़ों के ऊपर से निकलकर दाईं कांख तक पहुंच गया, जिससे स्थिति बेहद गंभीर हो गई।

स्वजन बच्चे को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। चिकित्सकों ने बिना समय गंवाए उसकी हालत का आकलन किया और तत्काल आपरेशन करने का निर्णय लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ सर्जनों की टीम गठित की गई। टीम में डा. ओपी सिंह, डा. सूरज व डा. वीपी मल्ल शामिल थे, जिन्होंने अत्यंत सावधानी और कुशलता के साथ आपरेशन किया।

एनेस्थीसिया विभाग की जिम्मेदारी प्रमुख अधीक्षक डा. आरपी गौतम के नेतृत्व में डा. एसपी मिश्रा व डा. आरवी यादव ने संभाली। आपरेशन बेहद जटिल था, क्योंकि सरिया शरीर के अत्यंत संवेदनशील हिस्सों से होकर गुजरा था और थोड़ी सी भी चूक जानलेवा साबित हो सकती थी। करीब 1:15 घंटे की मेहनत के बाद डाक्टरों ने सफलतापूर्वक सरिया को शरीर से बाहर निकाल दिया। आपरेशन के बाद बच्चे को गहन चिकित्सा इकाई (आइसीयू) में भर्ती किया गया, जहां उसकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। चिकित्सकों के अनुसार अब उसकी हालत में सुधार हो रहा है। बच्चे के पिता अमरेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि अब उसकी हालत में काफी सुधार है।

# गोरखपुर में स्मार्ट मीटर से बिजली बिल की समस्या

## उपभोक्ता परेशान, निगम की लापरवाही उजागर

**गोरखपुर में स्मार्ट मीटर लगने के बावजूद उपभोक्ताओं को बिजली बिल न मिलने और गलत बिल आने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।**

**संवाददाता, गोरखपुर।** राप्तीनगर खंड के मानबेला उपकेंद्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास में रहने वाले ज्ञानेंद्र श्रीवास्तव बिजली निगम से जुड़ी अलग तरह की समस्या से पीड़ित हैं। आठ फरवरी 2025 को इनके बिजली कनेक्शन पर पुराने मीटर की जगह स्मार्ट मीटर लगाया गया। समस्या यह है कि 14 महीने बीतने के बाद भी ज्ञानेंद्र को बिजली का बिल नहीं मिल सका है। वह परेशान हैं। वजह यह कि न तो बकाया का पता चल रहा है और न ही कनेक्शन कट रहा है। कहते हैं कि, एकमुश्त बिजली का बहुत ज्यादा बिल आ जाएगा तो क्या करूंगा। पता चलेगा कि बकाये में कनेक्शन काट दिया जाएगा। अभियंताओं ने प्रकरण पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के वाराणसी मुख्यालय भेजा है।

ज्ञानेंद्र की तरह बिछिया की चंपा देवी का भी मामला है। कुछ दिनों पहले चंपा देवी के परिसर में पुराने मीटर की जगह स्मार्ट मीटर लगाया गया। चंपा ने पुराने मीटर का बिल जमा कर दिया था।

स्मार्ट मीटर लगने के कुछ ही दिन बाद मोबाइल फोन पर बकाया का संदेश देखकर पूरा परिवार परेशान हो गया। एकमुश्त 65 रुपये बकाया का संदेश आने के बाद मोहद्दीपुर खंड के अधिशासी अभियंता से शिकायत की गई। उन्होंने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है। ज्यादातर उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटर प्रीपेड मोड में संचालित हो रहे हैं लेकिन कई का बिजली का बिल नहीं बन पा रहा है। इसकी वजह सिस्टम पर मीटर से जुड़ी जानकारी अपडेट न होना है।

**हाथ खड़े कर रहे बिजली निगम के अभियंता**

स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी बिजली निगम के मीटर खंड की है लेकिन उपभोक्ताओं को यहां से निराशा ही हाथ लग रही है। मीटर खंड के अभियंता यह कहते हुए पल्ला झाड़ ले रहे हैं कि मीटर लगाने वाली निजी कंपनी ही कुछ कर सकती है। यहां से उपभोक्ता को मीटर लगाने वाली कंपनी से जुड़े अधिकारियों का मोबाइल नंबर दे दिया जा रहा है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि ज्यादातर मोबाइल नंबर स्विच आफ ही रहते हैं। इस कारण समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

**स्मार्ट मीटर लगाने पर लगी है रोक**

प्रदेश सरकार ने पुराने मीटर को हटाकर स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगा दी है। इससे वह उपभोक्ता खुश हैं जिनके परिसर में अभी पुराने मीटर लगे हैं। हालांकि जिनके परिसर में स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं वह इसे पोस्टपेड मोड में संचालित करने की मांग कर रहे हैं।

**मीटर न लगने से हो रही दिक्कत**

गोरखपुररू प्रदेश सरकार के पुराने कनेक्शन पर स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक से कुछ उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। विरासत गलियारा में निर्माण कार्य ध्वस्त करने के दौरान कई व्यापारियों का मीटर टूटकर गायब हो चुका है। इन व्यापारियों के परिसर पर न तो पुराना मीटर और न ही स्मार्ट मीटर लग पा रहा है। इस कारण उपभोक्ताओं को बिजली नहीं मिल पा रही है। व्यापारी नेता और श्रीराम चौक की पार्षद के पति दिनेश गुप्ता कहते हैं कि हिंदी बाजार में गारमेंट्स की पुरानी दुकान का मीटर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई में टूटकर गायब हो चुका है। अब दुकान तैयार है लेकिन बिजली नहीं जल पा रही है। वजह यह कि स्मार्ट मीटर लगने पर रोक है और पुराने मीटर निगम के पास हैं नहीं। कहते हैं कि ऐसे मामलों का त्वरित समाधान कराया जाना चाहिए।

# गोरखपुर में हल्की बारिश से विरासत गलियारा की दुकानों में घुसा पानी

**संवाददाता, गोरखपुर।** बेमौसम बारिश ने बुधवार को शहरवासियों की मुश्किलें बढ़ा दीं। थोड़ी ही देर की बारिश ने नगर निगम की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी और शहर के कई इलाकों में जलभराव की गंभीर स्थिति पैदा हो गई। सबसे ज्यादा असर घंटाघर और विरासत गलियारा क्षेत्र के दुकानदारों पर पड़ा। पहले से ही खराब जलनिकासी व्यवस्था के चलते बारिश का पानी सीधे दुकानों में घुस गया। इसकी वजह से उन्हें काफी नुकसान भी झेलना पड़ा।बुधवार शाम हुई वर्षा की वजह से घंटाघर क्षेत्र में निर्माणाधीन विरासत गलियारा, एचपी स्कूल के पास, टाउनहाल बैंक रोड, बक्शीपुर, जुबली स्कूल के आसपास, दीवान बाजार, एक मिनारा मस्जिद के पास और नक्खास जैसे प्रमुख इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया।

धर्मशाला ओवरब्रिज के नीचे भी हालात ऐसे हो गए कि राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया। जगह–जगह जलभराव के कारण यातायात प्रभावित रहा और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। विरासत गलियारा में घंटाघर स्थित विजेंद्र चौरसिया और राजू गुप्ता की दुकानों में पानी भरने से काफी सामान खराब हो गया। दोनों दुकानदारों ने बताया कि उन्हें बाल्टी से पानी निकालना पड़ा, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। पानी के साथ आई कीचड़ ने समस्या को और बढ़ा दिया, जिससे सफाई करना भी मुश्किल हो गया।

उन्होंने कहा कि हर बार वर्षा में यही स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। इलाहीबाग इलाके में जलभराव को दूर करने के लिए नगर निगम को सड़क कटवानी पड़ी। इसके बाद ही किसी तरह पानी निकाला जा सका। वहीं धर्मशाला ओवरब्रिज के नीचे पंप लगाकर पानी निकालने की व्यवस्था की गई, लेकिन यह प्रयास भी देर से शुरू हुआ, जिससे लोगों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ी।

**रात में भी सक्रिय रहें अधिकारी : नगर आयुक्त**

अचानक हुई वर्षा के बीच नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने शहर के चिह्नित जलभराव स्थलों का निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान गोपालपुर, मुंशी प्रेमचंद पार्क और सिविल लाइन क्षेत्र में जलभराव की कोई स्थिति नहीं पाई गई, जिससे इन क्षेत्रों में की गई व्यवस्थाओं को संतोषजनक माना गया। वहीं शिवाय होटल, तहसील गेट और शास्त्री चौक जैसे स्थानों पर संभावित जलभराव को देखते हुए नगर आयुक्त ने तुरंत सकिंग मशीन लगाने के निर्देश दिए, ताकि पानी जमा न हो और आवागमन प्रभावित न हो। निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि कई स्थानों पर चल रहे निर्माण कार्यों के कारण जलनिकासी प्रभावित हो रही है, जिससे जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है। इस पर नगर आयुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से वार्ता कर नालियों को जल्द से जल्द जोड़ने और जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने समस्त अवर अभियंताओं, सफाई निरीक्षकों और जोनल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे रात के समय भी पूरी तरह सक्रिय रहें और किसी भी जलभराव की स्थिति पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करें।

**इस नंबर पर दे सकते हैं जलभराव की सूचना**

नगर निगम ने लोगों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर 8810709312 जारी किया है, जिस पर लोग जलभराव या अन्य समस्याओं की शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

# यूपी चुनाव से पहले बड़े आतंकी हमले की साजिश

**खुफिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बड़ा आतंकी हमला करने की साजिश रच रही है इसके लिए आईएसआई ने खतरनाक चाल चली है**

**नई दिल्ली ,संवाददाता।** भारतीय खुफिया एजेंसियों के मुताबिक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले बड़े हमले की साजिश रच रही है और इसके लिए खतरनाक खतरनाक चाल चल रही है। खुफिया अधिकारियों का कहना है कि इस हमले से पहले आईएसआई, हमारी जांच एजेंसियों का ध्यान भटकाना चाहती है और इसके लिए प्रोपेगेंडा अभियान चलाया जा रहा है।

### यूपी चुनाव के दौरान आतंकी हमले की फिराक में आईएसआई

एक अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव बड़ा आयोजन है और इसके मद्देनजर बड़े आतंकी हमलों की साजिश रची जा रही है। इसके तहत आईएसआई समर्थित लोग देश में जगह–जगह सीसीटीवी कैमरे लगाने और जासूसी जैसी गतिविधियों में शामिल हैं।

इसका उद्देश्य संवेदनशील स्थानों की जानकारी जुटाना है। इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी के अनुसार, गतिविधियों में अचानक आई तेजी का मकसद भारतीय एजेंसियों को उलझाए रखना है, ताकि बड़े हमले को अंजाम दिया जा सके।

### सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की नापाक चाल

अधिकारियों ने यह भी आशंका जताई है कि आईएसआई देश का सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की भी साजिश रच रही है। कई इंटरसेप्ट्स से संकेत मिले हैं कि प्रोपेगेंडा चौनलों को सांप्रदायिक तनाव भड़काने के लिए सक्रिय किया गया है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि आईएसआई की नजर सिर्फ बड़े शहरों पर नहीं, बल्कि छोटे शहरों और गांवों पर भी है, ताकि एजेंसियों को भ्रमित कर अचानक हमला किया जा सके।

हाल ही में गाजियाबाद पुलिस ने एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था, जो रेलवे स्टेशनों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगा रहा था। ये सोलर पावर्ड कैमरे पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स को लाइव फीड देने के लिए लगाए जा रहे थे, जिसके बाद देशभर में सीसीटीवी कैमरों का ऑडिट शुरू किया गया।

एजेंसियों को आशंका है कि ऐसे कैमरे बड़ी संख्या में पहले ही जुटा लिए गए हैं और चुनाव से पहले इन्हें सड़क किनारे ढाबों व दुकानों पर लगाया जा सकता है, ताकि चुनाव प्रचार के दौरान बड़े नेताओं की आवाजाही पर नजर रखी जा सके।

### खुफिया एजेंसियों का ध्यान भटकाने की चाल चल रही आईएसआई

अधिकारियों के मुताबिक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई इस बार उत्तर प्रदेश के बजाय अन्य राज्यों के लोगों का इस्तेमाल हमलों में कर सकती है, ताकि स्थानीय पुलिस को हमलों की भनक तक न लगे। एजेंसियों का मानना है कि अलग–अलग राज्यों में जासूसी और आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ होने के बावजूद सतर्कता के साथ नजर बनाए रखना जरूरी है, क्योंकि ध्यान भटकाने की रणनीति के पीछे बड़ी साजिश छिपी हो सकती है।

### आतंकी हमलों को घरेलू दिखाने की साजिश

विशेषज्ञों का कहना है कि आईएसआई की कोशिश है कि भारत में होने वाले हमलों को घरेलू दिखाया जाए, ताकि पाकिस्तान पर सीधे आरोप न आएं। दरअसल आतंकी वित्तपोषण को लेकर पाकिस्तान एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) के निशाने पर है। आईएसआई पर पहले भी ड्रग्स और आतंकी गतिविधियां संचालित करने के आरोप लगते रहे हैं। यही वजह है कि प्रतिबंध से बचने के लिए आईएसआई हर हमले को स्थानीय दिखाने की कोशिश करेगी। भारत ने भी अपनी रणनीति को आक्रामक करते हुए हर आतंकी हमले को युद्ध मानने का एलान कर दिया है, जिसके चलते भी आईएसआई ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है।

# पंजाब में लगेगा राष्ट्रपति शासन

**कई आप विधायक भाजपा में जाएंगे, कांग्रेस सांसद सुखजिंदर रंधावा का बड़ा दावा**

**चण्डीगढ़–पंजाब,एजेंसी।** आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने के बाद से पंजाब में सियासी संग्राम तेज हो गया है। अब गुरदासपुर के कांग्रेसी सांसद सुखजिंदर रंधावा ने बड़ा दावा किया है। गुरदासपुर से कांग्रेसी सांसद एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दावा किया है कि पंजाब सरकार संकट में है और आने वाले समय में सूबे में राष्ट्रपति शासन लगा सकता है। चंडीगढ़ में प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि आप के कई विधायक भाजपा के संपर्क में हैं और पार्टी छोड़ने के लिए सही समय का इंतजार कर रहे हैं।

### कांग्रेस का कोई सांसद–विधायक भाजपा में नहीं जा रहा

रंधावा ने स्पष्ट किया कि पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी और उनके समेत चार कांग्रेसी सांसदों के भी भाजपा में संपर्क होने की अफवाह फैलाई गई थी मगर मैं विश्वास से बताना चाहता हूं कि कांग्रेस का कोई भी मौजूद सांसद और विधायक पार्टी छोड़ने वाला नहीं है। आम आदमी पार्टी में उथल–पुथल की स्थिति जरूर चल रही है।

### गद्दारों ने गद्दारों से गद्दारी की

रंधावा ने कहा कि मुझसे किसी ने संपर्क नहीं किया। आप के राज्यसभा सांसदों को गद्दार कहने पर रंधावा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गद्दारों ने गद्दारों के साथ ही गद्दारी की है क्योंकि आम आदमी पार्टी में भी बहुत से नेता ऐसे हैं जो पहले शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस में थे और आज वे आम आदमी पार्टी सरकार में मंत्री और अध्यक्ष के पद पर बैठे हैं। रंधावा ने कहा कि कांग्रेसियों को भाजपा में जाने की जरूरत नहीं है क्योंकि जो कांग्रेस के आला नेता पहले भाजपा में जा चुके हैं उनकी आज क्या स्थिति है वह सभी जानते हैं।

### डीजीपी गौरव यादव को चुनौती

रंधावा ने प्रदेश के डीजीपी गौरव यादव को भी चुनौती देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पंजाब की कानून व्यवस्था बुरी तरह से चरमा चुकी है। नशा तस्करों, गैंगस्टरों के बाद अब फिर से उग्रवाद मुखर होने लगा है।

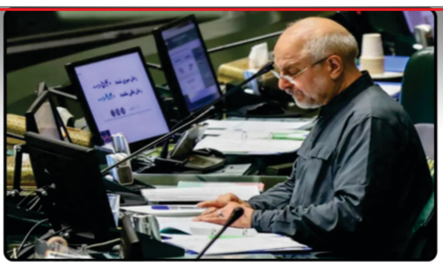

**होर्मुज संकट पर बढ़ी तनातनी, ट्रंप नाकेबंदी हटाने को तैयार नहीं, ईरान गरजा- अब न हटे तो जवाब देखोगे**

**सम्राट चौधरी ने बिहार पुलिस को दी खुली छूट, बोले-अपराधी सुधरें या बिहार छोड़ें, एनकाउंटर वाला प्लान तैयार**

# पवन खेड़ा को राहत मिलेगी या नहीं

## सुप्रीम कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका पर फैसला रखा सुरक्षित

**नई दिल्ली,एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। यह मामला हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर लगाए गए कई पासपोर्ट और विदेश में संपत्ति के आरोपों से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। यह मामला असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा के खिलाफ लगाए गए आरोपों से जुड़ा है।

### सुप्रीम कोर्ट में क्या हुआ?

जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस एएस चंदूरकर की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान खेड़ा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि उनके मुवक्किल के खिलाफ लगाए गए आरोप ट्रायल का विषय हैं और गिरफ्तारी की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन धाराओं में मामला दर्ज है, उनमें से कई जमानती हैं और बाकी में भी गिरफ्तारी जरूरी नहीं है, इसलिए अग्रिम जमानत से इनकार करना उचित नहीं होगा। सिंहवी ने यह भी तर्क दिया कि यदि ऐसे मामलों में अग्रिम जमानत नहीं दी जाती, तो इस कानूनी प्रावधान का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा।

### सॉलिसिटर जनरल ने याचिका का किया विरोध

वहीं, असम सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि खेड़ा ने मुख्यमंत्री की पत्नी के पासपोर्ट से जुड़े फर्जी और छेड़छाड़ किए गए दस्तावेज पेश किए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि खेड़ा जांच से बच रहे हैं और लगातार वीडियो जारी कर गलत तथ्यों को प्रचारित कर रहे हैं। मेहता ने अदालत को बताया कि मुख्यमंत्री की पत्नी के खिलाफ लगाए गए सभी आरोप निराधार और गलत हैं।
पवन खेड़ा ने 24 अप्रैल को गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा अग्रिम जमानत देने से इनकार करने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

## बहुरानी बन छाएंगी आम्रपाली

### नई फिल्म 'लाखों में एक पवले बानी हम बहुरानी' का फर्स्ट लुक रिलीज

**एंटरटेनमेंट डेस्क।** भोजपुरी इंडस्ट्री की लेडी सुपरस्टार आम्रपाली दुबे अपनी नई फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। इसका फर्स्ट लुक उन्होंने आज रविवार को फैंस के साथ साझा किया है। आम्रपाली दुबे भोजपुरी सिनेमा की सबसे चर्चित और पसंदीदा एक्ट्रेस में शामिल हैं। आम्रपाली दुबे फिलहाल अपनी नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। इसकी पहली झलक उन्होंने फैंस के साथ साझा कर दी है। फिल्म का नाम है– 'लाखों में एक पवले बानी हम बहुरानी'। जैसा कि फिल्म का नाम है, एक्ट्रेस बहूरानी अवतार में नजर आ रही हैं।

**बहुरानी अवतार में दिखीं आम्रपाली**

आम्रपाली दुबे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का फर्स्ट लुक साझा किया है। पोस्टर पर वे बहुरानी अवतार में दिख रही हैं।

चुनरी प्रिंट की लाल रंग की साड़ी, गले में मंगलसूत्र पहने वे सिर पर पल्लू रखकर मुस्कुराती दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, मेरी पहली फिल्म निरहुआ हिंदुस्तानी के सुपरहिट गाने लाखों में एक पवले बानी हम बहुरानी से शुरू हुआ ये सुनहरा सफर अब उसी नाम की फिल्म तक पहुंच चुका है। तैयार हो जाइए हंसी, प्यार और पारिवारिक भावनाओं से भरपूर एक शानदार कहानी के लिए।

## पवन सिंह ने किया खुशी तिवारी के साथ रोमांस नए गाने सड़िया ए जान में दिखी शानदार केमिस्ट्री

**एंटरटेनमेंट डेस्क।** भोजपुरी स्टार पवन सिंह अपने नए गाने को लेकर चर्चा में हैं। गाने श्सड़िया ए जानश में उन्होंने खुशी तिवारी के साथ रोमांस किया है। भोजपुरी सिंगर और नेता पवन सिंह अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में अंजली राघव के साथ बदसलूकी के मामले में उनका नाम सामने आया था। सिंगर ने उनसे माफी मांग ली और यह मामला शांत हो गया। अब पवन सिंह अपने नए गाने श्सड़िया ए जानश की वजह से सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। इसमें वह खुशी तिवारी के साथ पर्दे पर रोमांस करते दिख रहे हैं।

चण्डीगढ़–हरियाणा

**पवन सिंह ने किया खुशी तिवारी संग रोमांस**

पवन सिंह का नया गाना सड़िया ए जान रिलीज हो चुका है। गाने में खुशी तिवारी खुद को संवारने के लिए पवन सिंह से नई–नई साड़ियों की डिमांड कर रही हैं। पवन सिंह भी उनके साड़ी लुक पर फिदा हैं। गाने में खुशी तिवारी और पवन सिंह का रोमांस भी दिखाया गया है। पर्दे पर दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री भी गाने की तरह खिल रही है।

**किसने लिखा गाना?**

श्सड़िया ए जानश गाने को पवन सिंह ने सिंगर खुशी कक्कड़ के साथ मिलकर गाया है। गाने के बोल आशुतोष तिवारी ने लिखे हैं और संगीत निर्देशक प्रियांशु सिंह हैं। गाने का म्यूजिक भी वाइब देने वाला है। लेटेस्ट गाने को सोमवार सुबह ही रिलीज किया गया है। खबर लिखे जाने तक गाने को यूट्यूब पर 1 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

**डकैत में नजर आए पवन सिंह**

इससे पहले साउथ की पैन–इंडिया फिल्म श्डकैतरू एक प्रेम कथाश में भी पवन सिंह का स्पेशल गाना था। फिल्म में उनका गाना श्टच बेबीश को फिल्माया गया, जिसमें वे अदिवि शेष के साथ पर्दे पर धमाल मचाते हुए दिखे। यह साउथ सिनेमा में पवन सिंह का डेब्यू है, जिसे फैंस की तरफ से बहुत सारा प्यार भी मिला। श्डकैतरू एक प्रेम कथाश बीते हफ्ते यानी 10 अप्रैल को रिलीज हो चुकी है।

## मनीषा रानी से शादी करना चाहता है ये एक्टर

**एंटरटेनमेंट डेस्क।** अभिनेत्री मनीषा रानी के लिए एक एक्टर ने अपनी भावनाएं जाहिर की हैं। उनका कहना है कि अगर वह रोमांटिक रिश्ते में आए तो मनीषा से शादी कर लेंगे। द 50 की कंटेस्टेंट मनीषा रानी अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सुर्खियों रहती हैं। इस बार वह अगल वजहों से चर्चा में हैं। मामला उनकी शादी से जुड़ा है।

एक एक्टर उनसे शादी करना चाहता है। उन्होंने उनके लिए अपनी भावनाएं भी जाहिर की हैं। यह एक्टर कोई और नहीं बल्कि उनके साथ द 50 में कंटेस्टेंट रहे सिद्धार्थ भारद्वाज हैं।

हाल ही में एक इंटरव्यू में सिद्धार्थ ने मनीषा के लिए अपनी भावनाएं जाहिर की हैं। सिद्धार्थ ने मनीषा के लिए अपने प्यार का इजहार भी किया है। सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में सिद्धार्थ भारद्वाज ने कहा श्मनीषा रानी बहुत अच्छी लड़की हैं, फिर भी वह मुझसे डरती हैं। उनके दिल में मेरे लिए प्यार है। उन्होंने मेरे लिए आंसू बहाए हैं, जिससे पता चलता है कि उन्हें मेरी परवाह है। वह यह भी समझती हैं कि मैं आजादी में विश्वास रखता हूं। उन्हें पहले भी प्यार में धोखा मिला है, और मुझे भी। मुझे पता है कि उनके दिल में मेरे लिए रोमांटिक भावनाएं हैं। मेरे दिल में भी उसके लिए वैसी ही भावनाएं हैं।

**मनीषा के मन में क्या है?**

मनीषा ने अभी तक सिद्धार्थ के लिए अपनी भावनाएं जाहिर नहीं की हैं। द 50 खत्म होने के बाद से, वह लगातार यही कहती रही हैं कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

## 10 साल बाद 'सैराट' फेम एक्ट्रेस को पहचानना हुआ मुश्किल, हीरोइन का बदला हुआ अंदाज देखकर चौंक गए फैंस

**मुम्बई,एजेंसी।** साल 2016 में एक मराठी फिल्म 'सैराट' रिलीज हुई थी, फिल्म समाज में मौजूद जातिवाद को दिखाती है। इसका असर एक मासूम प्रेम कहानी पर कितना घातक होगा, यही फिल्म की स्टोरी लाइन थी। फिल्म में रिंकू राजगुरू ने लीड रोल निभाया था। हिंदी पट्टी के दर्शकों को भी यह फिल्म पसंद आई। हाल ही में इस फिल्म की एक्ट्रेस रिंकू राजगुरू को एक इवेंट में देखा गया, जहां नया लुक देखकर कई फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स चौंक गए।

> मराठी फिल्म 'सैराट' के जरिए रिंकू राजगुरू रातों–रात स्टार बन गई। लगभग 10 साल बाद फैंस ने उन्हें एक पब्लिक इवेंट में देखा। रिंकू का बदला हुआ अंदाज, स्टाइल देखकर फैंस चौंक गए।

**छोटे बाल और बदला हुआ चेहरा**

10 साल पहले जब रिंकू राजगुरू को दर्शकों ने फिल्म 'सैराट' में देखा था तो वह काफी मासूम नजर आती थीं। लेकिन अब उनका चेहरा पूरी तरह से टोंड हो चुका है, बाल भी एक्ट्रेस ने छोटे कर लिए हैं। लेकिन अब भी उनके अंदर 10 साल पुराना वाला चुलबुलापन बरकरार है। फैंस ने जब रिंकू का वायरल वीडियो देखा तो उनके नए लुक को सराहा। वहीं कुछ यूजर्स को उनका नया अंदाज कुछ ज्यादा नहीं भाया।

**'सैराट' पर बनी थी जान्हवी की डेब्यू फिल्म**

फिल्म 'सैराट' को बाद में 'धड़क' नाम से बनाया गया। इसके जरिए जान्हवी कपूर ने अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी। इसमें जान्हवी कपूर के अपोजिट ईशान खट्टर ने लीड रोल किया था। फिल्म 'सैराट' की तरह ही 'धड़क' को भी दर्शकों का प्यार मिला था।

**मराठी फिल्मों में व्यस्त हैं रिंकू राजगुरू**

रिंकू राजगुरू के करियर फ्रंट की बात करें तो वह कई मराठी फिल्में कर रही हैं। इसमें 'खिल्लर' और 'पिंगा' जैसे नाम शामिल हैं। पिछले साल भी वह 'पुन्हा एकदा साडे माडे' में नाम की मराठी फिल्म में नजर आई थीं।

रिंकू राजगु

> हिंदी पट्टी के दर्शकों को भी यह फिल्म पसंद आई। हाल ही में इस फिल्म की रिंकू राजगुरू को एक इवेंट में देखा गया, जहां नया लुक देखकर कई फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स चौंक गए।

आईपीएल 2026

# अब हर मैच नॉकआउट जैसा!

मौजूदा पॉइंट्स टेबल

| रैंक | टीम | मैच | जीत | हार | नो रिजल्ट | अंक | NRR |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | PBKS | 8 | 6 | 1 | 1 | 13 | +1.043 |
| 2 | RCB | 9 | 6 | 3 | 0 | 12 | +1.420 |
| 3 | SRH | 9 | 6 | 3 | 0 | 12 | +0.832 |
| 4 | RR | 10 | 6 | 4 | 0 | 12 | +0.510 |
| 5 | GT | 9 | 5 | 4 | 0 | 10 | -0.192 |
| 6 | CSK | 9 | 4 | 5 | 0 | 8 | +0.005 |
| 7 | DC | 9 | 4 | 5 | 0 | 8 | -0.895 |
| 8 | KKR | 8 | 2 | 5 | 1 | 5 | -0.751 |
| 9 | MI | 9 | 2 | 7 | 0 | 4 | -0.803 |
| 10 | LSG | 8 | 2 | 6 | 0 | 4 | -1.106 |

# प्लेआफ के लिए आखिरी दांव! 10 टीमों का समीकरण और बाकी बचे मैच, आरेंज और पर्पल कैप के लिए कौन दावेदार

**स्पोर्ट्स डेस्क।** आईपीएल 2026 अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां 10 टीमों के बीच प्लेऑफ की चार जगहों के लिए कड़ी टक्कर जारी है। पंजाब किंग्स, आरसीबी, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स फिलहाल मजबूत स्थिति में हैं, जबकि गुजरात टाइटंस अभी भी चुनौती पेश कर रही है। आईपीएल 2026 के लिए प्लेऑफ की जंग अब दिलचस्प हो चली है।

इस जंग में कुछ टीमें काफी आगे निकल चुकी हैं तो कुछ की हालत बेहद खराब है। लीग चरण के कुल 70 मुकाबलों में से 44 मैच खेले जा चुके हैं। नए 10 टीमों के फॉर्मेट में हर टीम को 14–14 मैच खेलने हैं। ऐसे में अब प्लेऑफ की चार जगहों के लिए मुकाबला बेहद अहम मोड़ पर पहुंच चुका है। शनिवार को खेले गए मुकाबले में चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) को हरा दिया और अंक तालिका में छठा स्थान हासिल किया।

कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा की अर्धशतकीय पारी के दम पर सीएसके ने एमआई को आठ विकेट से हराया। वहीं, हार के साथ मुंबई की टीम नौवें स्थान पर है। टीम सिर्फ दो ही मैच जीत सकी है। मौजूदा समीकरण के हिसाब से मुंबई के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना बेहद कम है, जबकि चेन्नई के लिए भी आसान नहीं होगा। सभी मैच जीतने के बावजूद टीम को अन्य नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

फिलहाल शीर्ष–चार में मौजूद तीन टीमों के 12–12 अंक हैं, जबकि एक टीम 13 अंकों के साथ सबसे आगे है। दूसरी ओर नीचे की टीमों के पास अभी भी गणितीय उम्मीद बाकी है, लेकिन उनके पास मैच कम हैं और गलती की गुंजाइश लगभग खत्म हो चुकी है।

**टॉप–4 के सबसे मजबूत दावेदार**

इस समय प्लेऑफ में पहुंचने की सबसे ज्यादा संभावना चार टीमों की दिख रही है, पंजाब किंग्स, रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स। इन चारों टीमों के 12 से 13 अंक हैं, नेट रन रेट सकारात्मक है और 16 या उससे ज्यादा अंकों तक पहुंचने का मजबूत रास्ता मौजूद है। चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए रास्ता लगभग बंद होता दिख रहा है। इन टीमों के लिए या तो अधिकतम अंक कम पड़ रहे हैं, या फिर क्वालिफाई करने के लिए सभी मैच जीतने के साथ टॉप–4 टीमों के लगातार हारने जैसी मुश्किल परिस्थितियों की जरूरत है। लीग चरण के आखिरी हफ्ते से पहले तस्वीर काफी हद तक साफ हो सकती है।

# थामस कप के सेमीफाइनल में भारत को मिली हार, फ्रांस ने 3–0 से दी शिकस्त

**स्पोर्ट्स डेस्क।** अंतिम स्कोर 0–3 रहा और भारत टूर्नामेंट से बाहर हो गया, लेकिन यह आंकड़ा मैच की वास्तविक प्रतिस्पर्धा को पूरी तरह नहीं दर्शाता। आइए जानते हैं कि इस मैच में किस किस के बीच मुकाबले हुए...थॉमस कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत और फ्रांस के बीच शनिवार को खेला गया हाई–वोल्टेज ड्रामे की तरह था। डेनमार्क के फोरम हॉर्सेंस एरिना में खेले गए मैच का माहौल भारतीय और फ्रांसीसी प्रशंसकों के जोश ने रोमांचक बना दिया था। अंतिम स्कोर 0–3 रहा और भारत टूर्नामेंट से बाहर हो गया, लेकिन यह आंकड़ा मैच की वास्तविक प्रतिस्पर्धा को पूरी तरह नहीं दर्शाता। मुकाबले के दौरान कई ऐसे क्षण आए जब भारतीय खिलाड़ियों ने फ्रांस को दबाव में डाला और वापसी की उम्मीद जगाई। फिर भी, निर्णायक मौकों पर फ्रांसीसी खिलाड़ियों ने संयम और सटीकता दिखाते हुए मैच अपने पक्ष में कर लिया।

**फ्रांस पहली बार थॉमस कप के फाइनल में**

इस जीत के साथ फ्रांस ने पहली बार थॉमस कप के फाइनल में जगह बनाई। फ्रांस की सफलता के मुख्य सूत्रधार रहे टोमा जूनियर पोपोव और क्रिस्टो पोपोव भाइयों ने न केवल शानदार खेल दिखाया, बल्कि रणनीतिक रूप से भी भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने एकल और डबल्स दोनों में भाग लेते हुए टीम को संतुलन दिया, और मैच क्रम इस तरह तय किया गया कि उन्हें पर्याप्त आराम मिल सके।

**लक्ष्य सेन नहीं खेल पाए मुकाबला**

भारत के लिए सबसे बड़ा झटका था लक्ष्य सेन का चोट के कारण बाहर होना। उनकी अनुपस्थिति ने टीम संयोजन को प्रभावित किया। पहले सिंगल्स में आयुष शेट्टी को उतारा गया, लेकिन वे दबाव को संभाल नहीं पाए और क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ सीधे गेम में हार गए।

**श्रीकांत ने दी टक्कर, पर हारे**

दूसरे सिंगल्स में किदांबी श्रीकांत ने अनुभव का बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने एलेक्स लैनियर को कड़ी टक्कर दी और कई मौकों पर बढ़त भी बनाई। हालांकि, अहम क्षणों में सटीकता की कमी के कारण वे मैच गंवा बैठे। तीसरे सिंगल्स में एच. एस. प्रणय ने जबरदस्त संघर्ष किया। उन्होंने शुरुआती बढ़त हासिल की, लेकिन टोमा जूनियर पोपोव ने अपनी गति और नियंत्रण से मैच पलट दिया। प्रणय की कुछ अनफोर्स्ड एरर निर्णायक साबित हुईं।

**डबल्स खेलने का मौका नहीं मिला**

भारत के लिए निराशाजनक पहलू यह रहा कि डबल्स मैच खेलने का अवसर ही नहीं मिला, जो उनकी संभावित ताकत हो सकती था। फ्रांस ने अपने अवसरों का पूरा लाभ उठाकर इतिहास रच दिया। जीत के साथ फ्रांस ने फाइनल में जगह बनाई, जबकि हार के बाद भारतीय टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ेगा।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

# फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले भारत को लगा झटका, लक्ष्य सेन मुकाबले से हुए बाहर

**स्पोर्ट्स डेस्क।** फ्रांस के खिलाफ थॉमस कप के सेमीफाइनल मैच से पहले ही भारत की चिंता बढ़ गई है। टीम के स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन चोट से नहीं उबर सके हैं और उनका इस मुकाबले में खेलना मुश्किल माना जा रहा है। भारतीय बैडमिंटन टीम का थॉमस कप के सेमीफाइनल में फ्रांस से सामना होना है, लेकिन इससे पहले ही टीम को झटका लगा है। भारत के स्टार पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन इस मैच में नहीं खेलेंगे। उनके कोहनी में सूजन है। लक्ष्य ने क्वार्टर फाइनल में विश्व नंबर छह चोउ टिएन चेन के खिलाफ एक घंटे 28 मिनट तक चले मैच में 18–21, 22–20, 21–17 से जीत दर्ज की थी जिससे भारत ने चीनी ताइपे के खिलाफ 3–0 की अजेय बढ़त बना ली थी।

**कोहनी में है सूजन**

मैच के दौरान हालांकि, राष्ट्रमंडल खेलों के चौंपियन लक्ष्य चोटिल हो गए थे और उनकी कोहनी में चोट आई थी। भारतीय टीम के पूर्व कोच और लक्ष्य के मेंटर विमल कुमार ने कहा, चोउ टिएन चेन के खिलाफ मैच में गिरने के बाद लक्ष्य के हाथ में, खासकर कोहनी के आसपास सूजन आ गई है। साथ ही उनके पैरों में छाले भी पड़ गए हैं।

**आयुष शेट्टी को मिला मौका**

अगर लक्ष्य मैच में नहीं खेल सके तो उनकी जगह युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी को मौका मिलेगा जो ओपनिंग पुरुष एकल मैच में विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ खेलेंगे। इन दोनों खिलाड़ियों का एकमात्र आमना–सामना 2024 में हाइलो ओपन में हुआ था जहां पोपोव ने भारतीय खिलाड़ी को मात दी थी।

विश्व के 30वें नंबर के खिलाफ किदांबी श्रीकांत दूसरे पुरुष एकल वर्ग में विश्व के 10वें के खिलाड़ी एलेक्स लेनिएर के खिलाफ खेलेंगे।

वहीं, एचएस प्रणय तीसरे पुरुष एकल खिलाड़ी होंगे जो विश्व नंबर 17 तोमा जूनियर पोपोव के खिलाफ मैच खेलेंगे। उन दोनों के बीच 1–0 का रिकॉर्ड है। तोमा ने पिछले साल ऑल इंग्लैंड क्लब में प्रणय को हराया था।

अगर एकल वर्ग में नतीजा नहीं निकला तो हरिहरण अमसाकारुनान और एमआर अर्जुन की जोड़ी पहले युगल मुकाबले में एलोई और लियो रोसी का सामना करेगी। आखिरी मैच में विश्व के चौथी नंबर की जोड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पोपोव ब्रदर्स का सामना करेंगे।

**भारत ने पक्का किया पदक**

भारत ने सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही पदक पक्का कर लिया है। इस टूर्नामेंट को भारत ने 2022 में जीता था, जबकि 1952, 1955 और 1979 में उसे कांस्य पदक मिला था।